अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 खेती और खुदकुशी, महाराष्ट्र में छह महीनों में 12 सौ से ज्यादा...
6 गिल-यशस्वी ओपनिंग और रिंकू-दुबे फिनिशर...
7 मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव को बनाया...

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-25 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 23 जुलाई से 29 जुलाई 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

टैक्स स्लैब में बदलाव, सोना-चांदी सस्ता..

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया बजट

वित्त मंत्री सीतारमण ने लगातार सातवीं बार बजट पेश किया. इस बजट से मोदी 3.ह्न का आर्थिक विजन स्पष्ट हो गया है. इस बजट में क्या चुनावी नतीजों के बाद जनता को खुश करने की कवायद दिखी या आर्थिक स्थिति को देखते हुए सुधार और सख्ती जारी रही? आइए हिंदी में जानते है, क्या कहता है इस बार का पूर्ण बजट 2024.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट की शुरुआत करते हुए कहा, पूरे साल और उसके बाद की अवधि को ध्यान में रखते हुए इस बजट में हम विशेष रूप से रोजगार, कौशल प्रशिक्षण, एमएसएमई और मध्यम वर्ग पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. निर्मला सीतारमण ने इस बजट की प्राथमिकताएं बताईं. जो नीचे दी गई हैं-

रोजगार एवं कौशल
समावेशी मानव संसाधन विकास एवं सामाजिक न्याय
विनिर्माण एवं सेवाएँ
शहरी विकास
ऊर्जा संरक्षण
अवसंरचना
नवाचार, अनुसंधान एवं विकास
नई पीढ़ी के सुधार
कृषि क्षेत्र में उत्पादकता और लचीलापन

बजट में ये हुआ सस्ता

मोबाइल और मोबाइल चार्जर,सोलर पैनल,चमड़े की वस्तुएं
गहने (सोना, चांदी, हीरा, प्लेटिनम),स्टील और लोहा,
इलेक्ट्रॉनिक्स, क्रूयात्रा,समुद्री भोजन, फुटवियर, कैंसर की दवाइयाँ

बजट में ये हुआ महंगा

स्पेसिफाइड दूरसंचार उपकरण
PVC प्लास्टिक

नीट पेपर के सवाल का मिल गया सही जवाब, समझें क्या होगा इसका असर?

नीट मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है. मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सुनवाई कर रही है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ढ्ढङ्ख दिल्ली के प्रोफेसरों की कमेटी ने जो रिपोर्ट दी है, उसके मुताबिक जिस सवाल के दो जवाब सही माने गए थे, उसे ऑप्शन 4 को सही माना है. सीजीआई ने कहा कि हमें ढ्ढङ्ख दिल्ली की रिपोर्ट मिल गई है. ढ्ढङ्ख के डायरेक्टर प्रोफेसर बनर्जी ने भौतिकी विभाग से एक समिति गठित की, उन्होंने कहा कि तीन विशेषज्ञों की एक टीम ने प्रश्न की जांच की. उन्होंने कहा कि विकल्प 4 सही उत्तर है.

नीट यूजी परीक्षा को लेकर एक ऐसा पेंच उलझा था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने सुलझाने की जिम्?मेदारी आईआईटी दिल्?ली को दिया था. दरअसल, यह पूरा मामला नीट यूजी के पेपर में आए एक सवाल से जुड़ा है. भौतिक विज्ञान के इस सवाल के दो ऑप्?शन दिए गए थे और दोनों ही ऑप्?शन सही थे. यानि कि किसी भी स्?टूडेंट ने जो भी ऑप्?शन चुने, उसे मॉर्क्?स मिले. इस सवाल के ऑप्?शन को लेकर उठे विवाद के बाद अब सवाल यह उठने लगा है कि इसका असर नीट यूजी के कितने परीक्षार्थियों पर पड़ेगा. जानकारों की मानें तो इस सवाल के जवाब से नीट की परीक्षा देने वाले लाखों परीक्षार्थियों का गुणा गणित बिगड़ सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने इस सवाल की गुत्?थी सुलझाने के लिए आईआईटी दिल्?ली के विशेषज्ञों से राय मांगी थी, अब यह रिपोर्ट आ गई है.

4.20 लाख से अधिक छात्र होंगे प्रभावित

नीट परीक्षा में पूछे गए इस सवाल के उत्?तर में दिया गया विकल्?प 2 अगर गलत पाया जाता है, तो इससे 4.20 लाख से अधिक छात्र प्रभावित होंगे. सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सोमवार को मुख्य न्यायाधीश (ष्टढ्ढङ्ख) ने कहा कि बेंच को इस बात की चिंता है कि 4 लाख से अधिक छात्रों को विकल्प 2 को सही मानने से लाभ हुआ है, इसलिए यदि अचानक विकल्प 2 को गलत माना जाता है, तो 4.20 लाख छात्रों को चार अंक खोने के साथ-साथ एक नकारात्मक अंक भी मिलेगा. इससे काफी कुछ प्रभावित हो सकता है.

किंगमेकर रहे, लेकिन फिर भी विशेष पैकेज नहीं मिला..., बजट पर बोले पप्पू यादव

बजट में बिहार के लिए विशेष पैकेज का ऐलान नहीं होने पर पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा कि वो किंगमेकर रहे हैं, लेकिन फिर भी विशेष पैकेज नहीं मिला है. पप्पू यादव ने नीतीश कुमार से कहा कि उन्हें विशेष राज्य की भीख नहीं मांगनी चाहिए बल्कि सरकार से अलग हो जाना चाहिए.

मोदी सरकार के बजट में इस बार बिहार केंद्र में दिखाई दिया. हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार के लिए जो विशेष पैकेज की मांग कर रहे थे, सरकार ने बजट में उसका ऐलान नहीं किया. इसको लेकर पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नीतीश कुमार किंगमेकर रहे हैं, लेकिन फिर उन्हें विशेष पैकेज नहीं मिला.

पप्पू यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा, अभी 4 करोड़ नौकरी की बात कर रहे हैं, लेकिन 10 साल में आपने कितनी नौकरी दी? नीतीश कुमार किंगमेकर रहे हैं लेकिन उन्हें विशेष पैकेज भी नहीं दिया. जितनी बंद पड़ी फैक्ट्रियां हैं उसपर कुछ दीजिए, एयरपोर्ट पर दीजिए. विशेष पैकेज, विशेष राज्य के लिए भीख मत मांगिए आप मंत्रिमंडल से हट जाइए

नेम प्लेट को NO, शाकाहारी-मांसाहारी के बोर्ड को YES... कांवड़ रूट को लेकर SC के फैसले की बड़ी बातें

सुप्रीम कोर्ट का कहना था कि चर्चा के बिंदु को ध्यान में रखते हुए हम उपरोक्त निर्देशों के कार्यान्वयन पर रोक लगाने के लिए अंतरिम आदेश पारित करना उचित समझते हैं. सुप्रीम कोर्ट का कहना था कि ढाबा मालिकों, फल विक्रेताओं, फेरीवालों समेत खाद्य विक्रेताओं को भोजन या सामग्री का प्रकार प्रदर्शित करने की जरूरत हो सकती है, लेकिन उन्हें मालिकों की पहचान उजागर करने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए.

SC ने नेम प्लेट को NO कहा और शाकाहारी-मांसाहारी के बोर्ड को YES कर दिया है. स्ष्ट ने यूपी, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस भी जारी किया है. कोर्ट का कहना था कि दुकानदारों को अपनी पहचान बताने की जरूरत नहीं है. दुकानदारों को सिर्फ खाने के प्रकार बताने होंगे. ढाबा में खाना शाकाहारी है या मांसाहारी... ये बताना होगा. इस मामले में अब 26 जुलाई को अगली सुनवाई होगी.

आरएसएस पर केंद्र सरकार ने लिया फैसला, मायावती ने कर दिया विरोध, बताया राजनीति से प्रेरित

बसपा प्रमुख मायावती ने आरएसएस की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों के भाग लेने के प्रतिबंध को हटाए जाने के निर्णय का विरोध किया। उन्होंने टरनेट मीडिया एक्स पर किए गए पोस्ट में मायावती ने तुरंत इस फैसले को वापस लेने की मांग की है। मायावती ने कहा कि यह फैसला राजनीति से प्रेरित संघ तुष्टीकरण के लिए लिया गया है। लखनऊ। आरएसएस की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों के भाग लेने के प्रतिबंध को केंद्र सरकार द्वारा हटाए जाने के निर्णय का बसपा प्रमुख मायावती ने विरोध किया है। मायावती ने इस फैसले को राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि आरएसएस और भाजपा के बीच लोकसभा चुनाव के बाद बनी दूरी को कम करने के उद्देश्य से प्रतिबंध हटाया गया है। सोमवार को इंटरनेट मीडिया एक्स पर किए गए पोस्ट में मायावती ने तुरंत इस फैसले को वापस लेने की मांग की है।

संपादकीय

खेती और खुदकुशी, महाराष्ट्र में छह महीनों में 12 सौ से ज्यादा किसानों ने दी जान, कर्ज है सबसे बड़ी वजह

बहुत से किसान खेती के लिए बैंक और साहूकारों से कर्ज लेते हैं और अगर प्राकृतिक आपदा की वजह से फसल बर्बाद हो जाए या उत्पादन कम हो, तो उनके लिए कर्ज चुकाना मुश्किल हो जाता है। भारत को कृषि प्रधान देश कहा जाता है, मगर यहां के किसान आज भी कई तरह की समस्याओं और परेशानियों से घिरे हुए हैं। यही वजह है कि किसानों की आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार की एक रपट के मुताबिक, इस वर्ष जनवरी से जून के बीच राज्य में 1,267 किसानों ने आत्महत्या कर ली। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2022 में कृषि क्षेत्र से जुड़े 11,290 लोगों ने आत्महत्या कर ली, जिनमें 5,207 किसान और 6,083 खेतिहर मजदूर थे और इनमें महाराष्ट्र से सबसे ज्यादा थे।

इसी तरह वर्ष 2021 में कृषि कार्यों में लगे 10,881 लोगों और 2020 में 10,677 लोगों ने अपनी जान दे दी। किसानों की खुदकुशी के पीछे पारिवारिक कर्ज या आर्थिक संकट को सबसे बड़ी वजह माना जाता है। हालांकि इन आर्थिक परेशानियों के भी कई स्तर हैं। मसलन, प्राकृतिक आपदा, कर्ज का बोझ, फसलों की बढ़ती लागत, घटती आय और फसलों के उत्पादन में गिरावट। महाराष्ट्र सरकार की रपट में कहा गया है कि राज्य में पिछले छह माह में किसानों की खुदकुशी के सबसे ज्यादा मामले विदर्भ क्षेत्र के अमरावती मंडल में सामने आए हैं।

बहुत से किसान खेती के लिए बैंक और साहूकारों से कर्ज लेते हैं और अगर प्राकृतिक आपदा की वजह से फसल बर्बाद हो जाए या उत्पादन कम हो, तो उनके लिए कर्ज चुकाना मुश्किल हो जाता है। उर्वरक, खेती के लिए उपकरण और सिंचाई पर होने वाला खर्च बढ़ रहा है, जबकि किसानों की आय में बढ़ोतरी नहीं हो रही है।

संपादक- गोपाल गावंडे

लिहाजा, किसानों की आर्थिक परेशानियां बढ़नी स्वाभाविक हैं। लंबे समय से चली आ रही न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए कानूनी गारंटी की मांग भी लंबित है। दूसरी ओर, उद्योग जगत के ऋणों के प्रति सरकार के नजरिए में जो नरमी देखी जाती है, वह किसानों के लिए नहीं दिखती। ऐसे में किसानों की समस्याओं की जटिलता अगर उन्हें आत्महत्या के कगार पर ले जाती है तो इसे एक नतीजे के तौर पर देखा जा सकता है। इस समस्या के निराकरण के लिए ठोस और कारगर उपाय किए जाने जरूरत है, अन्यथा यह स्थिति और जटिल होगी।

राजनीति

बिहार के लोगों के साथ बेईमानी..., विशेष राज्य के दर्जे से केंद्र के इनकार पर मनोज झा का वार

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने से केंद्र के इनकार के बाद सूबे में सियासत गर्म हो गई है. विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सीएम नीतीश के इस्तीफे की मांग कर रही है तो वहीं एनडीए बैकफुट पर है. आरजेडी सांसद मनोज झा ने इसे बिहार के लोगों के साथ बेईमानी बताया है।

मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल का पहला बजट पेश करने से ठीक पहले ये साफ कर दिया है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलने जा रहा. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद रामप्रीत मंडल ने विशेष राज्य के दर्जे को लेकर संसद में सवाल पूछा था. इसके जवाब में वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने लिखित जवाब में कहा कि बिहार इसके लिए निर्धारित मानकों में फिट नहीं है. बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने से केंद्र के इनकार के बाद सूबे में सियासत गर्म हो गई है. विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने सीएम नीतीश से इस्तीफा मांगा है तो वहीं एनडीए बैकफुट पर है

आरजेडी ने बताया बिहार के लोगों से बेइमानी

आरजेडी सांसद प्रोफेसर मनोज झा ने कहा है कि ये लोग बिहार के लोगों के साथ बेईमानी कर रहे हैं. किसी भी कीमत पर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलेगा. उन्होंने कहा कि हम काफी समय से इसकी मांग कर रहे हैं. नीतीश कुमार यह (दर्जा) दिलाने में नाकाम रहे. वहीं, आरा से सीपीआई (एमएल) के सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा कि बिहार में कोई कारखाना नहीं है. इसलिए विशेष राज्य का दर्जा चाहिए. नीतीश कुमार, जीतनराम मांझी की वजह से मोदी सरकार चल रही है. इन लोगों (नीतीश कुमार और मांझी) को पीएम मोदी से इसके लिए बोलना चाहिए. राज्य विभाजन के बाद जब झारखंड अलग हुआ, तभी से बिहार की ये डिमांड रही है।

आरसीपी सिंह ने क्या कहा?

जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके आरसीपी सिंह ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि हमलोगों को भीख मांगने से बचना है. हमें अपनी ताकत इतनी बढ़ानी है कि हम दूसरों को कुछ दें, न कि हम भीख मांगते रहें. उन्होंने कहा कि बिहार को भीख मांगने की मानसिकता से बाहर निकालना है. हमारी ये मुहिम है. आरसीपी सिंह ने कहा कि हमलोग आज भी मानसिक रूप से गुलाम हैं. दिनभर भीख मांगते रहते हैं. उन्होंने कहा कि बिहार में संसाधनों की कमी नहीं है।

भविष्य में भी होती रहेगी मांग- जेडीयू

जेडीयू सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने कहा है कि विशेष दर्जे की मांग भविष्य में भी होती रहेगी. उन्होंने कहा कि राज्य का विकास कैसे होगा और हमें निवेश कैसे मिलेगा? ये सब केंद्र सरकार को देखने की जरूरत है. जेडीयू सांसद देवेश चंद्र ने साफ कहा कि या तो उन्हें (केंद्र को) हमारी मांग पूरी करनी होगी या फिर किसी अन्य तरीके से इसे करना होगा. यदि यह किसी पैरामीटर में फिट नहीं बैठता है तो उन्हें इसमें बदलाव करना होगा।

सरकार ने खारिज नहीं किया है अनुरोध

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने साफ किया कि सरकार ने विशेष राज्य के दर्जे का अनुरोध खारिज नहीं किया है. आरजेडी प्रमुख लालू यादव को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें समझने की जरूरत है. जब वह कांग्रेस के साथ गठबंधन कर रहे थे और किंगमेकर बन गए थे, एक कानून अस्तित्व में था जो बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दे सकता था।

निजी कंपनी के कर्मचारी ने किया युवती से रेप

साथ में काम करने के दौरान हुई थी पहचान,शादी का झांसा देकर किया गलत काम

भंवरकुआ पुलिस ने एक 26 साल की निजी कंपनी में काम करने वाली युवती की शिकायत पर रेप के मामले में केस दर्ज किया है। आरोपी ने युवती को शादी का झांसा दिया ओर कई बार उससे रेप किया। बाद में वह पीड़िता को धमकाने लगा।

भंवरकुआ पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक देवास में रहने वाली युवती मूसाखेड़ी में किराये से रहती है। उसने सचिन प्रजापत निवासी औरनपुर गंजबसौदा जिला विदीशा के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया है। पीड़िता ने बताया कि सचिन से करीब ढ़ाई साल पहले आईटी पार्क में काम के दौरान पहचान हुई थी। उसने दोस्ती की ओर प्यार के चक्कर में फंसा लिया। इसके बाद 10 जून 2024 को कुशवाह के बगीचे में ले गए और यहां ले जाकर रेप किया। यहां उससे कहां कि यह सब गलत है तो उसने चुप रहने के लिये कहां। 26 को सचिन मिला। उसने कहां कि किसी को कुछ बताने की जरूरत नही है। वह शादी करेगा। फिर से सचिन रूम पर ले गया और यहां इच्छा के विरूध सबंध बनाए। यहां जान से मारने की धमकी दी ओर कहां कि समाज में बदनाम कर देगा। किसी को मुंह दिखाने लायक नही रहेगी। डर के कारण यह बात किसी को नही बताई। बाद में सचिन ने पीछा छुडाने के लिये मोबाइल पर ब्लॉक कर दिया। अब मोबाइल नही उठा रहा। काम पर जाने के दौरान सचिन ने रोका विवाद किया। अपशब्द कहते हुए कहां कि रूम पर जाना पड़ेगा। इंकार करने पर जान से मारने की धमकी देने लगा। बात भाई को मोबाइल पर कॉल करके बताई। वही कंपनी के सुपरवाईजर और सहेली को जानकारी देने के बाद थाने आकर केस दर्ज कराया।

इंदौर में बुजुर्ग ने खुद को गोली मारी, सिर के आरपार हुई

इंदौर के विजय नगर में 65 साल के बुजुर्ग ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। बुजुर्ग ने बुधवार देर रात पलंग पर लेटकर 12 बोर की राइफल से फायर किया। गोली सिर के आरपार निकल गई। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा है। विजय नगर पुलिस के मुताबिक मृतक का नाम विजय शुक्ला है। उन्होंने सुसाइड से पहले बेटी को मैसेज किया था। शुक्ला की लाइसेंसी बंदूक है।

इंदौर में RSS स्वयं सेवक के घर हमला

मेडिकल करने जिला अस्पताल पहुंची पुलिस के सामने किया विवाद

इंदौर के एरोड्रम इलाके में आरएसएस स्वयं सेवक के घर हुए हमले के बाद अस्पताल में मारपीट का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक हमले के बाद एरोड्रम पुलिस मेडिकल के लिए कल जिला अस्पताल लेकर पहुंची थी। आरोपियों ने पुलिस के सामने ही मारपीट शुरू कर दी। पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आए है।

शनिवार देर रात संतोष पिता चम्पालाल चौहान के घर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। रात करीब 1 बजे जिला अस्पताल में मेडिकल करने पहुंचे संतोष चौहान के ऊपर आरोपियों ने पुलिसकर्मियों के सामने ही हंगामा किया।

ऑटो वैन चालक ने फांसी लगाई-पिता ने देखा तब तक रुक चुकी थीं इकलौते बेटे की सांसें, पत्नी मायके गई थी

इंदौर के भंवरकुआ में रहने वाले एक व्यक्ति ने रविवार को फांसी लगा ली। शाम को पिता ने फंदे पर लटके देखा और पुलिस को सूचना दी। फांसी के वक्त मृतक की पत्नी मायके गई थी।

?भंवरकुआ पुलिस के मुताबिक अभिषेक पुत्र सत्यनारायण हार्डिया निवासी भोलाराम उस्ताद मार्ग ने अपने घर में रविवार शाम फांसी लगा ली। अभिषेक रविवार को घर पर अकेला था। उसकी पत्नी तेजाजी नगर इलाके में मायके में थी। वहीं पिता भी काम से गए हुए थे। शाम को पिता आए तो बेटे को फंदे पर लटके हुए देखा।

दोस्तों के मुताबिक अभिषेक वैन चलाता है। उसके परिवार में पांच साल की बेटी है। अभिषेक माता-पिता का इकलौता बेटा है। दो बहनों की शादी हो चुकी है। पुलिस के मुताबिक अभिषेक के मोबाइल में किसी तरह की कोई चैट या कॉल डिटेल नहीं मिले है। घर पर सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। मामले की

इंदौर में 12साल की मासूम से पिता ने की हैवानियत

दो साल से कर रहा था हरकत, घर से भागकर मौसी को बताई पूरी बात, मां ने लिखाई रिपोर्ट

इंदौर के आजाद नगर में रहने वाली तलाकशुदा महिला ने पति की शिकायत की है। महिला का आरोप है कि उसके पति ने अपनी ही बेटी के साथ अप्राकृतिक कृत्य किया। तलाक के बाद बेटी पिता के साथ ही रह रही थी। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी पिता को हिरासत में ले लिया है।

आजाद नगर पुलिस के मुताबिक महिला अपनी 12 साल की बेटी को लेकर रविवार को थाने पहुंची। बेटी ने पुलिस को बताया कि पिता उसके साथ गलत हरकत करते हैं। महिला ने बताया कि 2012 में उसने प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद एक बेटी और एक बेटा है।

पति की हरकतों से परेशान होकर 2020 में उनका तलाक हो गया। छोटे बेटे को महिला अपने साथ ले आई। जबकि पति ने बेटी को अपने साथ ले गया। रविवार को बेटी ने मां को बताया कि जब घर पर कोई नहीं होता तब पिता मेरे साथ गलत हरकत करते हैं।

दो साल पहले उन्होंने जब घर बन रहा था तब पिता ने पहली बार ऐसी हरकत की थी। उन्होंने डराया कि यह बात किसी को नहीं बताए। 15 दिन पहले भी पापा ने इस तरह की हरकत की। पापा के साथ रहना अच्छा नहीं लगता। वह जब सो रहे थे तो चुपचाप घर से भागकर मौसी के यहां पहुंची और उन्हें पापा की हरकतों के बारे में बताया। पीड़िता की मां भी यहीं पहुंची तब वह मां से लिपटकर रोने लगी।

पुलिस ने बच्ची के बयान के बाद पिता पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर पिता को हिरासत में ले लिया है।

मैं अनंत की शक्ति हूं...

हमें सरस्वती की भी आराधना करनी चाहिए । सरस्वती का कार्य बड़ा महान है। महा सरस्वती ने पहले सारा अंतरिक्ष बनाया। उसमें पृथ्वी तत्व विशेष ही पृथ्वी तत्व को इस तरह से सूर्य और चंद्रमा के बीच में लाकर खड़ा कर दिया कि वहां पर कोई सी भी जीवंत क्रिया आसानी से हो सकती है। इस जीवन प्रक्रिया से धीरे-धीरे मनुष्य भी उत्पन्न हुआ। परंतु हमें अपनी बहुत बड़ी शक्ति को जान लेना चाहिए। वह शक्ति है जिसे हम सृजन शक्ति कहते हैं क्रिएटीविटी क्रियाटिविटी कहते हैं। यह सृजन शक्ति सरस्वती का आशीर्वाद है जिसके द्वारा अनेक कलाएं उत्पन्न हुई । कला का प्रादुर्भाव सरस्वती के ही आशीर्वाद से है । हमारे बच्चे स्कूल में विद्यार्जन कर रहे हैं । पर हमें ध्यान रखना चाहिए कि बिना आत्मा को प्राप्त किए हम जो भी विद्या पा रहे हैं वह सारी अविद्या है । बिना आत्मसाक्षात्कार प्राप्त किए आप चाहे साइंस पढ़े या अर्थशास्त्र उसे ना तो आप पूरी तरह समझ सकते हैं और ना ही उसको अपनी सर्जन शक्ति में ला सकते हैं । बच्चे दो प्रकार के होते हैं एक तो पढ़ने के शौकीन होते हैं और दूसरे जिन्हें पढ़ने का शौक नहीं होता । कुछ बच्चों के पास कम बुद्धि होती है और कुछ के पास अधिक । बुद्धि भी सरस्वती की देन है लेकिन आत्मा से मनुष्य में सुबुद्धि आ जाती है। बुद्धि से पाया हुआ ज्ञान जब तक आप सुबुद्धि पर नहीं तोलिएगा तो वह ज्ञान हानिकारक हो जाता है । इसलिए बहुत से लोग सोचते हैं कि पढ़ने लिखने से बच्चे बेकार हो जाएंगे, सफेदपोश होकर फिर खेती नहीं करेंगे । बस अपने को कुछ विशेष समझ कर के और इसी बहकावे में रहेंगे। किंतु आत्मसाक्षात्कार को पाकर जो विद्यार्जन होता है उसमें बराबर नीर क्षीर विवेक आ जाता है। वह समझ लेते हैं कि कौन सी चीज अच्छी है और कौन सी बुरी है। कौन सी चीज सीखनी चाहिए और कौन सी चीज नहीं सीखनी चाहिए उससे पहले कोई मर्यादा नहीं होती । मनुष्य किसी भी रास्ते पर जा सकता है और किसी भी ओर मुड़ सकता है और कोई भी बुरे काम कर सकता है। आजकल आप जानते हैं कि छोटे बच्चों में बहुत सारी बुराइयां आने की संभावना है और बड़ों में तो हो ही रहा है की ड्रेस आ गए और दुनिया भर की गंदी बातें बच्चे सीख रहे हैं और परेशानी में फंस गए हैं । यह सब चीजों का इलाज एक ही तरीके से हो सकता है कि इनके अंदर आप आत्मा का साक्षात्कार करें आत्मा का साक्षात्कार मिलने से ही सरस्वती की भी चमक आपकी बुद्धि में आ जाती है और जो बच्चे पढ़ने लिखने में कमजोर होते हैं वो भी अच्छा कार्य करने लग जाते हैं । इसके बाद कला की उत्पत्ति होती है अगर आप कला के बगैर आत्मसाक्षात्कार को ही अपना ना चाहे तो वह कला अधूरी रह जाती है या वो बेमर्यादा कहीं ऐसी जगह टकराती है कि जहां उसकी कला का नामोनिशान नहीं रह जाता । तो पहले आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करना ही सरस्वती का पूजन करना एक बड़ी शुभ बात है । हमें सरस्वती के प्रति उदासीन नहीं रहना चाहिए। मैं देखती हूं कि जहाँ जहाँ लोग खेती करते हैं वहां वहां धीरे-धीरे उनका संबंध प्रकृति से होता है और प्रकृति की जो खूबसूरती है उसे वह प्रकट करना चाहते हैं । जो कलाकार होता है वह भी प्रकृति की खूबसूरती को देखकर हूबहू उस तरह से ना बना उसमें अपनी भावना डालकर उसे एक नया रूप दे देता है । जब आप कला को पाने लग जाएंगे और जब आप कला की शुभ संवेदना समझ लेंगे तब आप कलात्मक चीजों की ही ओर रहेंगे । बहुत सी चीजें लोग बनाते हैं पर कुछ चीजें ऐसी बनती है जिसमें स्वयं चैतन्य बहता है। ऐसे तो पृथ्वी तत्व से ही बहुत से स्वयंभू निकल आए हैं लेकिन अगर आत्मसाक्षात्कारी मनुष्य कोई पुतला बनाता है या कोई कलात्मक चीज बनाता है तो उसमें से भी चेतन आने लग जाता है । सुंदर होने के साथ-साथ ऐसी कृती में एक तरह की अनंत शक्ति होती है। किसी साधारण कलाकार की बनाई कला शीघ्र समाप्त हो जाती है उसके प्रति ना तो लोगों की आस्था होती है और ना ही कोई श्रद्धा लेकिन अगर कोई कलाकार आत्म साक्षात्कारी हो तो उसकी कला अनंत तक चलती है क्योंकि उसके अंदर अनंत की शक्ति निहित होती है क्योंकि उसने जो कुछ भी बनाया वह आत्मा की अनुभूति से बनाया है जो आत्मा को रुचिकर है जो आत्मा पसंद करें ऐसी चीज वह बनाता है ।। कलात्मकता इस तरह से मनुष्य में बहुत सुंदरता से पनपती है और ऐसी कितनी भी कला की चीजें बनती हैं वो हमेशा के लिए संसार में मानी जाती हैं । आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति की कला अनंत की शक्ति से प्लावित होती है। तो आप लोग भी आत्मसाक्षात्कारी हो गए हैं कला की ओर दृष्टि बढ़ाने से एक तो जीवन में सौंदर्य आ जाता है और जीवन का रहन सहन सुंदर हो जाता है । उसके लिए जरूरी नहीं कि आप बहुत रुपया पैसा खर्च करें। मिट्टी में भी कला भरी है । आप मिट्टी की भी कोई चीज बनाएं तो भी वह कलात्मक हो सकती है । हमारे उबड़ खाबड़ जीवन में यदि थोड़ी सी कला की झलक आ जाए तो बड़ा ही सुख और आनंद मिलता है। इसलिए आप लोगों की दृष्टि अब कला की ओर जाए तो बड़ा अच्छा हो जाए सभी लोगों के लिए। हाथ से बनी हुई चीजों में चेतन्य बहता है। मशीनों का अत्यधिक प्रयोग करने से ही वातावरण दूषित हो गया है इसका इलाज ही यह है कि आप कलात्मक चीजों की ओर बढ़े जब लोग कलात्मक चीजों की ओर बढ़ेंगे तो एक तरह की श्रद्धा कला के प्रति हो जाएगी । सबसे बड़ी बात तो यह है कि हम हजारों चीजों को बेकार ही खरीदते हैं वह बंद हो जाएगी । हाथ से बनी चीजों के द्वारा अपने हृदय का आनंद हम दूसरों को समर्पित करते हैं । अब यह सोचना है कि किस तरह से यह सौंदर्य स्थापित हो । सबसे पहले सौंदर्य में हमेशा वैचित्र्य होना चाहिए, वैरायटी होना चाहिए । परमात्मा ने यदि सब की शक्ल एक सी बनाए होती तो कैसे लगते हम लोग? सभी लोग अलग-अलग प्रकार के कपड़े पहनते हैं । हमारे देश की सभी स्त्रियां अलग ढंग रंगों की साड़ियां पहनती हैं । यह वैचित्र्य केवल हमारे देश में ही मिलता है । विकसित देशों की औरतें तो गुलाम की तरह एक ही प्रकार के फैशन करती हैं । एक ही प्रकार के बाल बनवाते हैं । उसमें कोई फर्क ही नहीं प्रतीत होता । उनके अंदर जो आत्मा है वह दबी हुई है । उनमें ना वैचित्र्य है और न ही सृजन शक्ति । अब कला का भी यही हाल हो गया है । विदेशों में अच्छी कलाकृतियां अधिक नहीं निकलती । जब कला पैसे पर उतर आती है तब उसकी आत्मा ही खत्म हो जाती है। कला आनंदमई होना चाहिए न कि उससे कितना पैसा मिले । जब आप की यह धारणा और लक्ष्य हो जाएगा तो स्वयं आत्म ही आपको ऐसी प्रेरणा देगा कि आप ऐसी ऐसी सुंदर चीजें बनाएंगे जो भूतो ना भविष्यति पहले कभी बनी नहीं और ना बनेगी । एक से एक कलात्मक चीज लोग बनाएंगे और शांत प्रकृति चीजों में के लोग इस प्रकार की रचना कर सकते हैं । शांतिमय ध्यानावस्था में रहे बिना कला सृजन अधूरा रह जाता है या मर्यादा विहीन । आपको कला का तंत्र तथा तकनीक मालूम होनी चाहिए । जब आपको आत्मसाक्षात्कार होता है तभी आपकी सृजन कला बढ़ जाती है। जब आप पर सरस्वती जी की कृपा होती है तो आप कलाकार बन जाते हैं लेकिन आप आत्मसाक्षात्कारी कलाकार हो जाते हैं । जब आप आत्मसाक्षात्कारी कलाकार हो जाते हैं तब आपका सारा ही व्यक्तित्व बदल जाता है और जो भी सृजन आप करते हैं उसमें वह शक्ति जिसे मैं अनंत की शक्ति कहती हूं। वह समाहित होती है और ऐसी बनाई हुई चीजें ऐसी क्रिया से जिसने कोई सा भी कार्य संपन्न किया हो, उसकी कीमत आंकी ही नहीं जा सकती और अनंत तक उसकी सौंदर्य शक्ति प्रदर्शित होती रहती है। सहजयोगियों के लिए बहुत जरूरी है कि वह कला में उतरें और कला को समझें।....

बारिश के मौसम में खूब खाई जाती है इस पत्ते की सब्जी!

बारिश के मौसम में अरबी के पत्ते का इस्तेमाल कई प्रकार से खाने में किया जाता है। इससे लोग पकोड़ा बनाते हैं और फिर कई प्रकार की सब्जी। आइए, जानते हैं इसकी सबसे पुरानी रेसिपी।

बारिश के मौसम में अक्सर सब्जियों की कमी हो जाती है। इसके अलावा दही और दूध से बनी बहुत सी चीजों को खाने से भी लोग इस मौसम में परहेज करते हैं। इस स्थिति में आप अरबी के पत्ते की सब्जी खा सकते हैं। दरअसल, ये सब्जी आज से नहीं सालों से बनाकर खाई जाती है। इस सब्जी की रेसिपी भी बेहद आसान है और आप इसे आसानी से बनाकर खा सकते हैं। दादी-नानी के जमाने से लोग इसकी इस फेमस रेसिपी को बनाकर खाते रहे हैं। तो आइए, जानते हैं इसकी रेसिपी के बारे में विस्तार से।

अरबी के पत्ते की रेसिपी

सामग्री- अरबी के पत्ते,बेसन या चने दाल को भिगोकर पीस लें,नमक,लाल मिर्च,जीरा पाउडर,चावल का आटा,लहसुन और अदरक का पेस्ट,तेल,प्याज, टमाटर, लहसुन, अदरक और हरी मिर्च को तेल में डालें और इसे हल्का भून लें।,जीरा,करी पत्ता

पहले बनाएं अरबी के पत्ते की पकोड़ी

-इस सब्जी को बनाने की रेसिपी अरबी के पत्ते को धो लें और इसे एक साईड में लगा लें।

-अब आपको करना ये है कि बेसन या फिर पीसी हुई चने की दाल लें।

-इसमें नमक और बाकी मसाले डालें। फिर इसमें चावल का आटा मिला लें।

-इसमें लहसुन और अदरक का पेस्ट मिलाएं।

-अब इसे हर पत्ते पर लगाएं और एक बाद, एक पत्ता चिपकाते जाएं।

-रोल कर लें और इस पर धागा बांध दें।

-इसके बाद इसे उबाल लें। जब ये अच्छी तरह से उबल जाए तो कटलेट की तरह काट लें।-फिर इन्हें पकोड़े की तरह तल लें।

एजिंग के लक्षणों को रिवर्स कर देंगे सुबह-सुबह किए गए ये 6 काम, 40-45 की उम्र तक चेहरे पर बरकरार रहेगा नूर!

यहां हम आपको कुछ ऐसी टिप्स बता रहे हैं, जिन्हें रोज खासकर सुबह के समय फॉलो करने से आप नेचुरल तरीके से एजिंग के लक्षणों को कम कर सकते हैं।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों का लाइफस्टाइल पूरी तरह बिगड़ गया है। उसपर अनहेल्दी खानपान और बढ़ते प्रदूषण के चलते अधिकतर लोगों के चेहरे पर कम उम्र में ही एजिंग के लक्षण नजर आने लगते हैं। ऐसे में फिर लोग चेहरे के नूर को बरकरार रखने के लिए कई तरह के महंगे ट्रीटमेंट लेने को मजबूर हो जाते हैं।

हालांकि, आपको बता दें कि केवल स्किन की ऊपरी तौर पर देखभाल करने से बढ़ती उम्र के निशानों को कम नहीं किया जा सकता है। इसी कड़ी में यहां हम आपको कुछ ऐसी टिप्स बता रहे हैं, जिन्हें रोज खासकर सुबह के समय फॉलो करने से आप नेचुरल तरीके से एजिंग के लक्षणों को कम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, ये टिप्स आपकी स्किन को लंबी उम्र तक जवां बनाए रखने में तो मदद करेंगी ही, साथ ही इनसे आपकी सेहत भी दुरुस्त रहेगी। आइए एक नजर डालते हैं इनपर-

सूरज की रोशनी

उम्र के लक्षणों को कम करने और अच्छी सेहत के लिए सुबह कुछ समय धूप में जरूर बिताएं। सूरज की रोशनी से आपको बॉडी को विटामिन डी मिलता है, साथ ही इससे कोर्टिसल और मेलाटोनिन हार्मोन को बैलेंस करने में मदद मिलती है, जिससे तनाव का स्तर कम होता है और आप खुद को फ्रेश और लाइट फील करते हैं। बता दें कि तनाव का सीधा असर आपकी स्किन पर भी पड़ता है।

अनुलोम-विलोम

अनुलोम-विलोम को सबसे प्रभावी एंटी-एजिंग व्यायामों में से एक माना जाता है। ये बॉडी की सेल्स को पुनर्जीवित करता है और उन्हें ताजा ऑक्सीजन से पोषण देता है। इसके अलावा, अनुलोम-विलोम का नियमित अभ्यास शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बहतर कर, तमाव को कम कर भी एजिंग पर प्रभाव डालता है।

हेल्दी फैट्स

अपने दिन की शुरुआत हेल्दी फैट्स के साथ करें। हेल्दी फैट्स न केवल हमें पूरे दिन ऊर्जा प्रदान करते हैं, बल्कि याददाश्त को बेहतर करने से लेकर स्किन को भी एक साथ कई फायदे पहुंचाते हैं। ऐसे में आप एवोकाडो, ऑयली फिश, अलसी, नट्स, बादाम, अखरोट आदि का सेवन कर सकते हैं।

पानी

सुबह उठने के बाद पानी जरूर पिएं। आप अपने अनुसार गर्म, हल्का गुनगुना या नॉर्मल कैसा भी पानी पी सकते हैं। वहीं, अधिक लाभ पाने के लिए आप तांबे के बर्तन में पानी पी सकते हैं। ऐसा करने पर न केवल आपका पाचन बेहतर रहता है, ब्लड प्रेशर मैनेज रहता है, मुंह में बैक्टीरिया का संतुलन अच्छा होता है, प्रतिरक्षा में सुधार होता है, ब्लकि आपकी स्किन पर भी नेचुरल ग्लो बना रहता है।

सनस्क्रीन

स्किन को हानिकारक यूवी किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए सनस्क्रीन लगाना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में बाहर निकलने से पहले चेहरे के अलावा हाथ और पैरों पर भी सनस्क्रीन जरूर लगाएं। इससे भी आपकी स्किन जल्दी बूढ़ी नजर नहीं आती है। साथ ही ये स्किन इंफ्लेमेशन को कम कर स्किन कैंसर के खतरे को भी कम करती है।

प्रोटीन रिच ब्रेकफास्ट

इन सब से अलग रोज प्रोटीन रिच ब्रेकफास्ट करें। प्रोटीन बॉडी सेल्स की मरम्मत कर स्किन को हेल्दी बनाए रखता है। इसके अलावा प्रोटीन लंबे समय तक पेट भरे होने का एहसास दिलाता है, साथ ही शरीर को ताकत देता है, जिससे आप दिनभर एनर्जेटिक महसूस करते हैं।

तिशा कुमार के निधन से टूटा परिवार, नहीं थम रहे आंसू

तिशा कुमार के निधन के बाद परिवर बुरी तरह से टूट गया है। वो कृष्णा कुमार की इकलौती बेटी थीं। कैंसर की वजह से उनका निधन हो गया। ऐसे में अंतिम विदाई के बाद भाभी दिव्या खोसला, बहन तुलसी और खुशाली का दर्द छलका है।

टी-सीरीज के मालिक गुलशन कुमार के छोटे भाई कृष्णा कुमार पर बीते दिन ही दुखों का पहाड़ टूटा है। कैंसर के चलते उनकी इकलौती बेटी तिशा का निधन हो गया है। वो महज 20 साल की थीं। बीती शाम उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन के बाद घर में मातम पसरा हुआ है। ऐसे में अब भूषण कुमार की पत्नी दिव्या खोसला कुमार और गुलशन कुमार की बेटियों तुलसी-खुशाली ने सोशल मीडिया पर अपना दर्द बयां किया है। परिवार की आंखों से आंसू नहीं थम रहे हैं। इसी बीच खुशाली ने दर्द बयां कर कहा कि वो उन्हें दुल्हन की ड्रेस में देखना चाहती थीं।

भूषण कुमार की वाइफ दिव्या खोसला रिश्ते में तिशा की भाभी लगती हैं। उन्होंने भी इंस्टाग्राम पर ननद की अनदेखी फोटोज शेयर किया है। इन्हें साझा करने के साथ ही दर्द बयां किया है। उन्होंने लिखा, 'इतनी जल्दी चली गई। तिशा तुम हम सबके दिलों में रहोगी।' इसके साथ ही उन्होंने कृष्णा कुमार की वाइफ तान्या सिंह को हिम्मत देते हुए भी लिखा, 'भगवान उन्हें इस दर्द से उबरने की शक्ति दे।'

सरफिरा के फ्लॉप होते ही अक्षय कुमार अब कर रहे हैं ये काम

एक्टर ने क्यों कहा- फूलों में छुपाया हुआ खंजर नहीं देखा

अक्षय कुमार सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं. वह इसके जरिए फैंस को अपनी फिल्मों और निजी जिंदगी से जुड़ी जानकारी शेयर करते रहे हैं. हाल ही में अक्षय कुमार फिल्म सरफिर में नजर आए थे. वह लंबे समय से बैक टू बैक फिल्में दे रहे हैं.

नई दिल्ली। अक्षय कुमार सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं. वह इसके जरिए फैंस को अपनी फिल्मों और निजी जिंदगी से जुड़ी जानकारी शेयर करते रहे हैं. हाल ही में अक्षय कुमार फिल्म सरफिर में नजर आए थे. वह लंबे समय से बैक टू बैक फ्लॉप फिल्में दे रहे हैं. ऐसे में खिलाड़ी कुमार एक बड़ी हिट की तलाश में चल रहे हैं. वहीं सरफिरा के फ्लॉप होते ही अक्षय कुमार अब शायर बन गए हैं. यह बात जानकर एक्टर के फैंस को हैरानी होगी, लेकिन अक्षय कुमार की ताजा सोशल मीडिया पोस्ट इसी ओर इशारा कर रही है.

अक्षय कुमार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया है. इस पोस्ट में उन्होंने बशीर बद्र की शायरी शेयर की है. यह शायरी कुछ इस तरह है-

आंखों में रहा, दिल में उतर कर नहीं देखा
कश्ती के मुसाफिर ने समुंदर नहीं देखा
बे-वक्त अगर जाऊंगा सब चौंक पड़ेंगे
इक उम्र हुई दिन में कभी घर नहीं देखा
जिस दिन से चला हूं मेरी मंज़िल पे नज़र है
आंखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा
ये फूल मुझे कोई विरासत में मिले हैं
तुम ने मेरा कांटों भरा बिस्तर नहीं देखा
यारों की मोहब्बत का यकीं कर लिया मैंने
फूलों में छुपाया हुआ खंजर नहीं देखा

इस पोस्ट को शेयर करते हुए अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा, छुट्टी के दिन कुछ शायरी पढ़ने का मूड था. बशीर बद्र साहब की यह बेहतरीन शायरी मिली, क्या खूब लिखा है! सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार को यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है. एक्टर के पैंस पोस्ट को खूब पसंद कर रहे हैं. आपको बता दें कि हाल ही अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, जिसने अपने पहले दिन सिर्फ 2.50 करोड़ रुपये की कमाई की. इसके बाद सरफिरा की कमाई हर दिन घटने लगी थी. हाल ही में मिली असफलताओं के बावजूद अक्षय कुमार हार नहीं मान रहे हैं. वह एक नई फिल्म खेल खेल में के साथ तैयार हैं, जो मलयालम में पहले से बनी स्पेनिश फिल्म 12ह्लद्ध मैन की रीमेक है, जिसमें मोहन लाल मुख्य भूमिका में रहे थे.

सर्जरी के बाद वर्कआउट करती नजर आई हिना खान

थर्ड स्टेज कैंसर से जूझ रहीं हिना खान ने हाल ही में एक और इंस्पिरेशनल पोस्ट शेयर किया। उन्होंने जिम से वर्कआउट करते हुए एक वीडियो शेयर किया है।

इसके साथ ही एक नोट शेयर करते हुए हिना ने लिखा कि वो उन कमिटमेंट्स को पूरा करने की कोशिश कर रही हैं जो उन्होंने खुद से किए थे।

मेरी इस जर्नी को याद किया जाना चाहिए'

वीडियो में हिना किक-बॉक्सिंग करती नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'जीतना है, एक-एक कदम आगे बढ़ाना है...मैंने खुद से जो वादा किया था, वही कर रही हूं.. हां.. जैसा कि मैंने कहा कि आप अच्छे दिन ढूंढ सकते हैं और उनका भरपूर लाभ उठा सकते हैं। इस जर्नी को इस बात के लिए याद किया जाना चाहिए कि मैंने इससे क्या हासिल किया.. किसी और वजह से नहीं।'

जो यह जंग लड़ रहे उनके लिए सम्मान है- हिना

एक्ट्रेस ने आगे लिखा, 'मुझे यह ताकत देने के लिए अल्लाह का शुक्रिया.. मैं आप सभी के लगातार साथ बने रहने के लिए भी शुक्रगुजार हूं। वे लोग भी जो लगभग इसी तरह की जंग लड़ रहे हैं, उनके लिए पूरा सम्मान है। यही कहना है कि खुद को जानें, अपना रास्ता खोजें और अपने शरीर की सुनें।'

8 जून को शेयर की थी कैंसर होने की बात

हिना ने 28 जून को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए बताया था कि उन्हें स्टेज थ्री ब्रेस्ट कैंसर है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा था, 'हाल ही में उड़ रही अफवाहों पर मैं आपसे कुछ जरूरी न्यूज शेयर करना चाहती हूं। मैं ब्रेस्ट कैंसर के तीसरे स्टेज पर हूं। मैं ठीक हूं।

मैं स्ट्रॉन्ग हूं और डटी हुई हूं और इस बीमारी पर काबू पाने के लिए पूरी तरह कमिटेड हूं। मेरा इलाज शुरू हो चुका है और मैं इससे और भी मजबूत होकर उबरने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए तैयार हूं।'

वर्क फ्रंट पर 36 साल की हिना नेये रिश्ता क्या कहलाता है से घर-घर में अपनी पहचान बनाई थी। इसके अलावा वो बिग बॉस 11 में भी नजर आई थीं। आखिरी बार वो पंजाबी फिल्म 'शिंदा शिंदा नो पापा' में नजर आई थीं।

गिल-यशस्वी ओपनिंग और रिंकू-दुबे फिनिशर... श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 की प्लेइंग इलेवन

टीम इंडिया श्रीलंका दौरे के लिए रवाना हो चुकी है. श्रीलंका में भारतीय टीम को तीन मैचों की टी20 सीरीज और इतने ही मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है. जानें पहले टी20 की संभावित इलेवन.भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका दौरे पर रवाना हो चुकी है. श्रीलंका में टीम इंडिया को तीन मैचों की टी20 सीरीज और इतने ही मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है. 27 जुलाई से टी20 सीरीज का आगाज होगा, वहीं 2 अगस्त से वनडे सीरीज खेली जाएगी. यहां जानें पहले टी20 में भारत की प्लेइंग इलेवन कैसी हो सकती है.

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से नए दौर की शुरुआत

श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज से टीम इंडिया के नए दौर की शुरुआत होगी. नए हेड कोच गौतम गंभीर का यह पहला असाइमेंट होगा. वहीं रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के संन्यास के बाद अब नई टीम बनाने की तैयारी चल रही है. ऐसे में इस टी20 सीरीज में उन खिलाड़ियों को मौका मिला है, जो 2026 टी20 विश्व कप प्लान का हिस्सा हैं.

गिल-यशस्वी ओपनिंग और रिंकू-दुबे फिनिशर

श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में उपकप्तान शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल पारी की शुरुआत कर सकते हैं. इसके बाद तीन नंबर पर विकेटकीपर ऋषभ पंत खेलते दिखेंगे. पंत 2024 टी20 विश्व कप में भी तीन नंबर पर खेले थे. इसके बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव चार नंबर पर खेलते दिखेंगे.

इसके बाद हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह और शिवम दुबे मैच फिनिशर की भूमिका अदा करते दिखेंगे. दुबे छठे बॉलिंग विकल्प भी होंगे. स्पिन विभाग

में अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई एक्शन में दिख सकते हैं. पटेल आठ नंबर पर बैटिंग करेंगे, जिससे बल्लेबाजी विभाग में गहराई भी हो जाएगी. तेज गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह को मौका मिलने की उम्मीद है. हार्दिक की वजह से कप्तान सूर्या दो तेज गेंदबाजों की वजह से उतर सकते हैं.

श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन- शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव को बनाया प्रदेश की औद्योगिक प्रगति का नया मंत्र

अंचलों के लघु और मध्यम श्रेणी के उद्यमियों को प्रोत्साहन की हुई सामयिक पहल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश के विभिन्न अंचलों में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के आयोजनों से प्रदेश में औद्योगिक क्रांति के नए द्वार खोल दिये है। उनके औद्योगिक प्रगति के नए मंत्र से आंचलिक उद्यमियों को नई ऊर्जा मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लघु और मध्यम श्रेणी (एमएसएमई) के उद्यमियों को प्रोत्साहित करने की महत्वपूर्ण और सामयिक पहल की है। इसी का परिणाम है कि गत 20 जुलाई को जबलपुर में सम्पन्न रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में वृहद इकाइयों के साथ ही एमएसएमई इकाइयों की स्थापना के लिए निवेशकों ने लगभग 22 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव दिए हैं। यह निवेश बड़ी संख्या में रोजगारों का सृजन करेगा।

लगभग 22 हजार करोड़ रूपए के प्रस्ताव आए, वृद्धि की संभावना

प्रदेश में वृहद इकाइयों की स्थापना के लिए 17 हजार करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव और एमएसएमई इकाइयों की ओर से प्राप्त 5 हजार करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस तरह जबलपुर के रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में छोटे-बड़े उद्योगों की ओर से कुल 22 हजार करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग की भूमिका से इस माह इनमें निरंतर वृद्धि भी होगी। इसके लिए प्रमुख उद्योगपतियों से संवाद का सिलसिला निरंतर जारी है। जबलपुर आरईसी में सबसे बड़ा निवेश प्रस्ताव रक्षा उपकरण निर्माण से संबंधित 600 करोड़ रूपए का है। इसके अंतर्गत अशोक लीलैंड एवं आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड के बीच करारनामा भी हो गया है। यह प्रस्ताव मध्यप्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

क्षेत्रीय स्तर पर उद्योगों के विकास की पहल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्रीय स्तर पर उद्योगों के विकास की ठोस पहल की है। इसके लिए के नवीन मंत्र का उपयोग प्रभावी तरीके से प्रारंभ किया गया है। गत मार्च माह में उज्जैन में सम्पन्न रीजनल कॉन्क्लेव के बाद महाकौशल अंचल के प्रमुख नगर और औद्योगिक केन्द्र जबलपुर में हुई कॉन्क्लेव अनेक अर्थ में महत्वपूर्ण रही। कॉन्क्लेव से जहां प्रदेश में 67 नई औद्योगिक इकाइयों के लोकार्पण और भूमिपूजन सम्पन्न हुए, वहीं 265 औद्योगिक इकाइयों को 340 एकड़ भूमि आवंटित की गई। नई इकाइयों से प्रदेश में 16 हजार 500 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। कुल 332 इकाइयों द्वारा 3330 करोड़ रूपए का नया निवेश आ रहा है।

मालवा और महाकौशल के बाद अन्य अंचलों पर नजर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी अंचलों में आरईसी के आयोजन के निर्देश दिए थे। आगामी माहो में प्रदेश के अन्य बड़े नगरों में भी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित करने की योजना है। इनमें सागर, रीवा और ग्वालियर शामिल हैं। इससे बुंदेलखंड, विंध्य और चम्बल क्षेत्र में स्थानीय उद्यमियों को निवेश के लिए प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। विभिन्न क्षेत्रों में छोटी और मध्यम श्रेणियों की इकाइयों का संचालन करने वाले उद्यमी शासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ लेने के लिए अग्रसर होंगे। विशेष रूप से कृषि, फूड प्रोसेसिंग, खनिज, रक्षा उत्पादन, पर्यटन और वस्त्र उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए प्रारंभ किए गए प्रयास सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे।

वन-टू-वन बैठकों से कठिनाइयों का निकल रहा त्वरित समाधान

प्रदेश में हो रही रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव बहुआयामी गतिविधियों के कारण उद्योगों के विकास का आधार बन रही हैं। ये कॉन्क्लेव जहां बायर- सेलर मीट के माध्यम से महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होती हैं, वहीं वृहद औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव और प्रमुख उद्योगपतियों के बीच वन-टू-वन बैठकें मील का पत्थर का साबित होंगी। उद्योगों के लिए आवश्यक सुविधाओं को प्रदाय करने में जहाँ कोई बाधा या कठिनाई सामने आती है, वन-टू-वन बैठकें ऐसी कठिनाइयों को दूर कर त्वरित समाधान में सहायक बनती हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में एमएसएमई सेक्टर की भूमिका निरंतर महत्वपूर्ण बन रही है।

इंदौर में मत तोड़ना ट्रैफिक रूल्स

शहर के तेरह चौराहों पर काटे जा रहे ऑनलाइन चालान

इंदौर शहर में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए 50 चौराहों पर इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) लगाया जा रहा है। इसमें से अब तक 13 चौराहों से कंट्रोल रूम को लाइव वीडियो मिलने लगे हैं। इसके बाद ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी शुरू हो चुकी है। सबसे ज्यादा 10,755 चालान एलआईजी चौराहे पर काटे गए हैं।

इंदौर। इंदौर शहर की सड़कों पर अब लोगों की मनमानी पर थोड़ा ब्रेक लगेगा। एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस) के तहत शहर में 50 चौराहे हाईटेक किए जाने हैं। इनमें से अब तक 13 चौराहों पर प्रोजेक्ट लाइव हो चुका है।

मतलब अब इन 13 चौराहों पर यातायात का उल्लघंन करने पर ऑनलाइन चालान काटा जाएगा। पिछले साल नवंबर में एलआईजी, स्कीम नं 78 और रसोमा चौराहे पर ऑनलाइन चालान शुरू किए गए थे। यातायात को सुगम और चालानी कार्रवाई को आसान बनाने के लिए साल 2022 में 21 करोड़ रुपये का आईटीएमएस प्रोजेक्ट लांच किया गया था।

चौराहों पर ट्रैफिक रूल तोड़ा, तो हुआ एक्शन

इसके तहत दो चरणों में 50 चौराहों पर हाईटेक कैमरे लगाए जाने थे। इसमें शहर के रेड लाइट जंप, स्पीड वायलेशन डिटेक्शन सिस्टम, वन वे, रांग साइड, बिना हेलमेट और सीट बेल्ट, बाइक पर तीन सवारी समेत कई उल्लंघन करने पर चालान काटे जा रहे हैं।

पिछले साल नवंबर से बीआरटीएस के एलआईजी, स्कीम नं 78 और रसोमा पर चालानी कार्रवाई शुरू हुई थी। वहीं जून से 10 और चौराहों पर ऑनलाइन चालानी कार्रवाई शुरू हो चुकी है।

स्पीड वायलेशन डिटेक्शन सिस्टम भी लगेगा

इसमें बंगाली चौराहा, बांबे हॉस्पिटल चौराहा, होम गार्ड, इंदिरा प्रतिमा, लक्ष्मीबाई, पल्हर नगर, पत्रकार चौराहा, पिपल्याहाना चौराहा, रामचंद्र नगर, टाटा स्टील चौराहा शामिल हैं।

सिर और गर्दन कैंसर दिवस के लिए सप्?ताह भर चलेगा कार्यक्रम, वृक्षारोपण से शुरुआत

स्वास्थ्य देखभाल पहल के साथ-साथ पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। इस व्यापक दृष्टिकोण ने पर्यावरण में सकारात्मक योगदान देते हुए सिर और गर्दन के कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के प्रति उनके समर्पण को रेखांकित किया।

इंदौर। इंडेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज ने सिर और गर्दन कैंसर दिवस के लिए अपने सप्ताह भर चलने वाले उत्सव की शुरुआत की है, जो हर साल 27 जुलाई को मनाया जाता है। दिन की शुरुआत एमएस (सर्जरी) और एफएआईएस, एफआईसीएस सहित विभिन्न फेलोशिप्स के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ डॉ. दिलीप कुमार आचार्य द्वारा दिए गए व्याख्यान से हुई।

मौखिक कैंसर- रोकथाम शीघ्र जाँच और तंबाकू नियंत्रण, रोकथाम रणनीतियों का शीघ्र पता लगाने के तरीकों और प्रभावी तंबाकू नियंत्रण उपायों के माध्यम से मौखिक कैंसर से निपटने के महत्वपूर्ण पहलुओं पर डॉ. आचार्य द्वारा महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

आईआईडीएस में ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग की प्रमुख डॉ. ममता सिंह ने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर संस्थान ने वृक्षारोपण अभियान भी चलाया। इसमें उनकी स्वास्थ्य देखभाल पहल के साथ-साथ पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। इस व्यापक दृष्टिकोण ने पर्यावरण में सकारात्मक योगदान देते हुए सिर और गर्दन के कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के प्रति उनके समर्पण को रेखांकित किया।

इंदौर में बनेंगी ग्रीन बिल्डिंग, नगर निगम और बिल्डर्स मिलकर करेंगे काम

शहर में हरियाली को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की गई। बिल्डर, नगर निगम और कई विभाग एक मंच पर जुटे। सभी ने अपने सुझाव दिए।

इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) इंदौर चैप्टर ने ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में आवासीय विकास में सतत और हरित प्रथाओं को बढ़ाने पर एक सत्र की मेजबानी की। यह आयोजन आवासीय विकास में टिकाऊ प्रथाओं पर चर्चा करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए रियल एस्टेट और निर्माण क्षेत्रों के प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया।

सत्र का उद्घाटन शिवम वर्मा, आयुक्त इंदौर नगर निगम, संदीप श्रीवास्तव, अध्यक्ष क्रेडाई-इंदौर की उपस्थिति में हुआ। इसमें बताया गया कि जैसे-जैसे शहरीकरण तेज हो रहा है और आबादी बढ़ रही है, आवासीय विकास में हरित प्रथाओं को शामिल करने का महत्व सर्वोपरि हो गया है। आईजीबीसी इंदौर चैप्टर ने स्थायी समाधानों की आवश्यकता पर जोर दिया जो हमारे समुदायों के पर्यावरण, आर्थिक और सामाजिक कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

इंदौर नगर निगम के आयुक्त शिवम वर्मा (आईएएस) ने कहा कि इंदौर लगातार टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने में अग्रणी रहा है। उन्होंने इस कार्यक्रम में भाग लेने पर प्रसन्नता व्यक्त की और आवासीय विकास, हरित घरों, भवनों और उत्पादों में सतत और हरित प्रथाओं पर इस मूल्यवान कार्यक्रम के आयोजन के लिए सीआईआई - आईजीबीसी इंदौर चैप्टर की सराहना की। उन्होंने नागरिकों की भलाई और सुविधाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए निगम की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। वर्मा ने पूरे शहर और राज्य में हरित विकास को प्रोत्साहित करने वाली अनुकूल नीतियां स्थापित करने के लिए उठाए जा रहे सक्रिय उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने निगम के दृढ़ विश्वास को बताते हुए निष्कर्ष निकाला कि हरित इमारतों के लिए प्रोत्साहन हितधारकों को मौजूदा और आगामी संरचनाओं में टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने के लिए महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगा।

क्रेडाई-इंदौर के अध्यक्ष संदीप श्रीवास्तव ने अपनी परियोजनाओं में टिकाऊ और हरित प्रथाओं को शामिल करने के लिए रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रतिबद्धता बताई थी। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि इंदौर नगर निगम अतिरिक्त फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) की पेशकश करके आईजीबीसी-प्रमाणित परियोजनाओं को प्रोत्साहित करे। उनका मानना था कि यह पहल, बिल्डरों को टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी, जिससे भूमि का अधिक कुशल उपयोग हो सकेगा और पर्यावरणीय पदचिह्न में कमी आएगी। उन्होंने 2030 तक सभी आगामी परियोजनाओं को हरित भवन बनाना सुनिश्चित करने के लिए आईजीबीसी के साथ क्रेडाई के समझौता ज्ञापन पर भी गर्व व्यक्त किया।

आईजीबीसी इंदौर चैप्टर के अध्यक्ष विनोद बापना ने आवासीय विकास में हरित भवन सिद्धांतों को बढ़ावा देने के अपने लक्ष्य पर प्रकाश डाला था। उन्होंने मध्य प्रदेश के कुल 74 मिलियन वर्ग फुट में से 53 मिलियन वर्ग फुट से अधिक पंजीकृत हरित स्थान के साथ टिकाऊ निर्माण में इंदौर के नेतृत्व पर जोर दिया। बढ़ती आबादी को देखते हुए, बापना ने इस हरित पदचिह्न को दस गुना बढ़ाने की अपनी महत्वाकांक्षा व्यक्त की। सत्र का उद्देश्य डेवलपर्स और बिल्डरों को टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करना था, जो अंततः एक हरित और अधिक लचीले इंदौर में योगदान देगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)